खबर संक्षेप

ब्यौहारी में कार्य के दौरान मिट्टी में दबने से बीएसएनएल कर्मी की मृत्यु

शहडोल। जिले के ब्यौहारी तहसीलदार गैलेक्सी नागपुरे ने बताया है कि ब्यौहारी थाना क्षेत्र में 29 सितम्बर 2026 को कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में बीएसएनएल कर्मी रामसेवक सोंधिया उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी बोड़ाबाड़, रीवा की मृत्यु हो गई। मृतक लगभग 25 वर्षों से बीएसएनएल में कार्यरत थे तथा बीएसएनएल के कार्य के लिए रीवा से ब्यौहारी भेजे गए थे।उन्होंने बताया कि रामसेवक सोंधिया सहित कुल तीन व्यक्ति रात्रि लगभग 2 बजे ब्यौहारी पहुंचे थे। अस्पताल के सामने लगभग दो मीटर गहरी खुदाई कर भूमिगत प्रकाशीय तंतु केबल को जोडने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान नाली की दीवार अचानक धसक गई, जिससे मिट्टी एवं मलबा रामसेवक सोंधिया के ऊपर गिर गया और वे उसमें दब गए। घटना के तत्काल बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। परिवारजनों के अनुसार मृतक ने घटना वाले दिन रीवा में ड्यूटी की थी तथा इसके बाद उन्हें अचानक रात्रि में बीएसएनएल के कार्य के लिए ब्यौहारी भेजा गया था। बीएसएनएल द्वारा वाहन भेजकर परिजनों को मृतक के बीमार होने तथा ब्यौहारी में होने की सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार भूमिगत प्रकाशीय तंतु केबल जोडने का कार्य ठेके के माध्यम से कराया जा रहा था। कार्य के ठेकेदार का नाम चतुर्वेदी बताया गया है, जो सतना निवासी बताए गए हैं। उन्होने बताया कि पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। घटना के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आवश्यक जानकारी एवं परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

न्याय व्यवस्था को गति देने पुलिस की जन-सहानुभूति पहल

शहडोल। जिले में शांति, न्याय और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शहडोल पुलिस प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम उठाया है। न्यायालयीन प्रक्रियाओं को तार्किक परिणति तक पहुंचाने और वर्षों से लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल (भा.पु.से.) ने आम जनता के सहयोग से न्याय प्रक्रिया को गति देने की अनूठी पहल की है। जिले के विभिन्न न्यायालयों से जारी स्थायी वारंटों की तामीली सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने नागरिकों की भागीदारी को आमंत्रित किया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आधिकारिक उद्घोषणा के तहत, पुराने आपराधिक मामलों में लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे फरार वारंटियों की सही सूचना देने या उनकी गिरफ्तारी में वैधानिक सहयोग प्रदान करने वाले जागरूक नागरिकों को प्रति वारंटी 1 हजार रुपये की सम्मान/पुरस्कार राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने की इस मुहिम के तहत विशेष रूप से जैतपुर थाना क्षेत्र से संबंधित विभिन्न प्रकरणों के स्थायी वारंटियों की सूची सार्वजनिक की गई है। इनमें चोरी, नकबजनी, दुर्घटना और अन्य सामान्य मामलों के वे आरोपी शामिल हैं, जो न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने से बच रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने बताया कि पुलिस विनियमन (पुलिस रेग्यूलेशन) के पैरा क्रमांक 80-ए में निहित जन-हितैषी प्रावधानों का उपयोग करते हुए यह वित्तीय प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसका मुख्य ध्येय यह है कि समाज के प्रत्येक वर्ग के सहयोग से कानून के शासन को मजबूत किया जा सके।

कलयुग के 'भगवान' पर मासूम को प्रताड़ित करने के आरोप

पीठ पर चोटों के निशान दिखाकर रोती रही बच्ची

मोहल्ले वालों ने बचाई जान



शहडोल। डॉक्टर को समाज में अक्सर 'धरती का भगवान' कहा जाता है, लेकिन शहडोल की आशीर्वाद कॉलोनी में सामने आया घटनाक्रम इस सम्मानित पेशे पर ही सवाल खड़े कर रहा है। जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टर बी.आर.प्रजापति और उनकी पत्नी शांति प्रजापति पर महज 7-8 साल की मासूम को घर में कथित रूप से बंधक बनाकर रखने, घरेलू काम कराने और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगे हैं। बच्ची मौका पाकर भागी तो मोहल्ले वालों ने उसे पनाह दी। बच्ची को जबरन वापस ले जाने का प्रयास हुआ तो लोगों ने पुलिस बुलाकर उसकी जान बचाई।

घर से भागी तो खुले कथित जुल्मों के राज











हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाती रही मासूम

बुधवार शाम करीब 6 बजे आशीर्वाद कॉलोनी में अचानक हंगामा मच गया। लोगों ने देखा कि एक मासूम बच्ची को डॉक्टर की पत्नी कथित रूप से घसीटते हुए ले जाने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान डॉक्टर भी वहां पहुंच गए। बच्ची खुद को छुड़ाने के लिए हाथ जोड़ती रही और लोगों से उसे बचाने की गुहार लगाती रही। मामला देखकर मोहल्ले के लोग घरों से बाहर निकल आए। किसी ने वीडियो बनाया तो किसी ने पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते पूरा मोहल्ला घटनास्थल पर जमा हो गया। यही वह पल था, जब कथित तौर पर महीनों से बंद दीवारों के भीतर चल रही मासूम की पीड़ा पहली बार लोगों के सामने आई।

घर से भागी तो सामने आई प्रताडना की कहानी

बताया गया कि बच्ची मौका पाकर घर से निकल गई थी। उसने आसपास के कई घरों के दरवाजे खटखटाकर मदद मांगने की कोशिश की। बड़े मकानों और बंद दरवाजों के कारण उसे तत्काल मदद नहीं मिल सकी। आखिरकार वह एक ऐसे मकान में पहुंची, जहां किराएदार रहते हैं और दरवाजा खुला था। बच्ची कमरे में जाकर छिप गई। इसी बीच उसे तलाशते हुए डॉक्टर की पत्नी वहां पहुंच गई, लेकिन तब तक बच्ची अपनी आपबीती मोहल्ले के लोगों को बता चुकी थी। बच्ची के कथन ने लोगों को झकझोर दिया। इसके बाद मोहल्ले वालों ने बच्ची को अकेला नहीं छोड़ा और पुलिस को सूचना दी।

पीठ के निशान दिखाकर बोली— 'मुझे मारा जाता था'

मोहल्ले के लोगों के अनुसार, बच्ची ने बताया कि उसे करीब पांच-छह माह पहले उत्तर प्रदेश के बांदा जिले से यहां लाया गया था। उससे झाड़-पोछा और घर के दूसरे काम कराए जाते थे। डॉक्टर दंपति की बच्ची की देखभाल भी उससे कराई जाती थी। बच्ची ने कथित रूप से अपनी पीठ पर मौजूद निशान दिखाते हुए बताया कि उसके साथ मारपीट की जाती थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसे गर्म चिमटे जैसी वस्तु से मारा गया। यदि मेडिकल जांच में इस तरह की चोटों की पुष्टि होती है तो यह महज डांट-फटकार का मामला नहीं, बल्कि एक मासूम पर हुई गंभीर शारीरिक प्रताडना का मामला होगा। बच्ची ने यह भी बताया कि उसे अक्सर घर से बाहर नहीं निकलने दिया जाता था। उसके कथन के अनुसार, वह मौका पाकर ही घर से भाग सकी। ऐसे में यह सवाल बेहद गंभीर है कि यदि बच्ची उस दिन घर से बाहर निकलकर लोगों तक नहीं पहुंचती तो वह कथित प्रताडना कितने समय तक सहती रहती?

'मदद नहीं मिलती तो क्या होता?'

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे भयावह पहलू यही है कि बच्ची यदि उस दिन हिम्मत करके घर से नहीं भागती और मोहल्ले के किसी व्यक्ति के घर नहीं पहुंचती तो कथित प्रताडना का सिलसिला कब तक चलता, यह किसी को नहीं पता। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, उस उम्र में एक बच्ची से घरेलू काम कराने और उसके साथ मारपीट के आरोप सामने आए हैं और जिस व्यक्ति को समाज 'धरती का भगवान' कहता है, उसके परिवार पर ही एक मासूम के साथ कथित क्रूरता के आरोप लगना बेहद शर्मनाक और चिंताजनक है। हालांकि आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के बाद ही होगी।

मोहल्ले वालों ने दिखाई इंसानियत

इस पूरे मामले में आशीर्वाद कॉलोनी के लोगों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही। बच्ची को देखकर लोगों ने उसे चुप कराने या मामले को दबाने के बजाय उसकी बात सुनी, उसके शरीर पर मौजूद बताए जा रहे निशानों को देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। यदि मोहल्ले के लोग उस समय सामने नहीं आते तो संभव है कि बच्ची को दोबारा उसी घर में ले जाया जाता और उसके साथ क्या होता, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। लोगों की सजगता ने न केवल मामले को सामने ला दिया, बल्कि एक मासूम को संभावित खतरे से भी बाहर निकाला।

पुलिस ने शुरू की जांच

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। महिला पुलिसकर्मियों ने बच्ची को अपने संरक्षण में लिया और थाने ले जाकर पूछताछ की। पुलिस ने बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है तथा उसके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। बाल संरक्षण से जुड़े अधिकारियों को भी सूचना दी गई है। अब जांच में यह सामने आना बाकी है कि बच्ची को बांदा से यहां किन परिस्थितियों में लाया गया, क्या उसके परिजनों की अनुमति थी, उसे घर में किस हैसियत से रखा गया और उसके साथ वास्तव में किस प्रकार का व्यवहार किया गया। यदि बच्ची के आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला बेहद गंभीर रूप ले सकता है।

इनका कहना है...

बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। उसके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है और बाल संरक्षण अधिकारियों को भी सूचना दी गई है। मामले की जांच चल रही है, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
रावेन्द्र तिवारी
कोतवाली प्रभारी, शहडोल

बुढ़ार अस्पताल में पहली बार सफल सीजर, स्वस्थ बेटी का जन्म



बुढ़ार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में पहली बार सीजर ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। ग्राम सारंगपुर निवासी मुस्कान कुशवाहा का चिकित्सकीय टीम ने सफल ऑपरेशन किया, जिसके बाद उन्होंने स्वस्थ बेटी को जन्म दिया। पहली सर्जरी के सफल होने के साथ ही अस्पताल में लंबे समय से सीजर सुविधा शुरू होने का इंतजार भी खत्म हुआ।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने संभाली जिम्मेदारी

ऑपरेशन में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्षिता शर्मा और डॉ. शैली जैन, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ एवं बीएमओ डॉ. सचिन कारखुर तथा स्टॉफ नर्स दीपिका गाडिया और विभा की टीम शामिल रही। चिकित्सकों और स्टॉफ के समन्वित प्रयास से सीएचसी बुढ़ार में पहली बार यह सुविधा सफलतापूर्वक शुरू हो सकी।

आशा कार्यकर्ता ने परिवार को किया प्रेरित

सारंगपुर की आशा कार्यकर्ता सविता माझी की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। उन्होंने प्रसूता और उसके परिवार को बुढ़ार में ही सीजर कराने के लिए प्रेरित किया। अब तक यहां सीजर ऑपरेशन नहीं होने के कारण प्रसूताओं के परिजन स्थानीय अस्पताल में ऑपरेशन कराने को लेकर तैयार नहीं होते थे। परिवार के भरोसे और स्वास्थ्य टीम के प्रयास से यह पहली सर्जरी संभव हो सकी।

स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ा भरोसा

पहली सफल सर्जरी के बाद बुढ़ार सीएचसी में प्रसव संबंधी सेवाओं को लेकर लोगों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर सीजर सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र की प्रसूताओं को दूसरे बड़े अस्पतालों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी।

प्रबंधन और चिकित्सकीय टीम के प्रयास

इस उपलब्धि में बीएमओ डॉ. सचिन कारखुर की पहल और अस्पताल की टीम के प्रयास महत्वपूर्ण रहे। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में कलेक्टर पार्थ जायसवाल और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं सहयोग को भी इस शुरुआत से जोडक़र देखा जा रहा है। बुढ़ार सीएचसी में हुई पहली सफल सर्जरी स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

शहडोल में तीन पुलिस अधिकारियों को दी गई भावभीनी विदाई



शहडोल। पुलिस महकमे में अपनी जिंदगी के स्वर्णिम वर्ष जनसेवा और सुरक्षा में समर्पित करने के बाद सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के सम्मान में बुधवार को एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यातायात सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विभाग की ओर से सेवानिवृत्त अधिकारियों के अप्रतिम योगदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। यह विशेष आयोजन पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल (भा.पु.से.) के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उप निरीक्षक रामप्रसाद कुम्हार तथा सहायक उप निरीक्षक शिवराज सिंह व सम्भर लाल बनवासी को उनकी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर सम्मानित किया गया।समारोह में पुलिस अधीक्षक डॉ. अग्रवाल ने तीनों सेवानिवृत्त अधिकारियों के दीर्घकालिक, निष्ठापूर्ण और उत्कृष्ट सेवाकाल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी बेहद चुनौतीपूर्ण होती है, ऐसे में अनुशासित रहकर अनवरत जनसेवा करना और बेदाग सेवानिवृत्त होना एक बड़ी उपलब्धि है। तदुपरांत उन्होंने अधिकारियों को शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर उनका नागरिक अभिनंदन किया तथा उनके सुखद, निरोगी एवं उज्ज्वल भावी जीवन की कामना की।विदाई के इस संवेदनशील क्षण में अधिकारियों के परिजनों के चेहरे पर गर्व और खुशी के मिश्रित भाव तैरते नजर आए। सहकर्मियों ने भी उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए उनके अनुभवों को विभाग के लिए अमूल्य धरोहर बताया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, रक्षित निरीक्षक अनिरुद्ध मीणा सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सभी ने सेवानिवृत्त हुए जांबाज अधिकारियों को सलामी देकर सम्मानपूर्वक नई पारी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विश्वविद्यालय में जैविक कृषि पर मंथन



शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के नवप्रवर्तन केंद्र द्वारा विद्यार्थियों को विषमुक्त खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से एक गरिमामय विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में देश के ख्यातिलब्ध जैविक कृषि मर्मज्ञ प्राध्यापक ताराचंद बेलजी ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की। उन्होंने भावी वैज्ञानिकों और अध्येताओं को प्राकृतिक कृषि तथा ताराचंद बेलजी तकनीक के व्यावहारिक पक्षों की बारीकियों से अवगत कराया।
कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कृषि विभाग की अध्यक्ष डॉ. ममता प्रजापति के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने मुख्य अतिथि प्राध्यापक ताराचंद बेलजी और विश्वविद्यालय के कुलपति का आत्मीय अभिनंदन करते हुए विश्वविद्यालय प्रांगण में इस प्रासंगिक विषय पर विमर्श आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया।
अपने सारगर्भित वक्तव्य में प्राध्यापक बेलजी ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से भूमि की उर्वरता क्षीण हो रही है। ऐसे समय में पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाकर ही हम मृदा की प्राकृतिक क्षमता को पुनर्स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने ताराचंद बेलजी तकनीक के माध्यम से स्वस्थ, विषमुक्त और टिकाऊ अनाज उत्पादन के अनेक व्यावहारिक उपायों को साझा किया। कार्यक्रम में ग्रेनऑक्सी नवोन्मेष संस्थान से पधारे शुभम तिवारी ने भी विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कृषि प्रक्षेत्र में नवीन प्रयोगों, स्वरोजगार तथा उद्यमशीलता की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया, जिससे छात्र-छात्राएं कृषि तकनीक को नवाचार से जोडने के लिए प्रेरित हुए।अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय ने कहा कि मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और उज्ज्वल भविष्य के लिए जैविक कृषि समय की मांग है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे केवल सैद्धांतिक अध्ययन तक सीमित न रहें, बल्कि ताराचंद बेलजी तकनीक को विश्वविद्यालय के प्रयोगात्मक क्षेत्रों में लागू करने की दिशा में ठोस कार्य करें। कुलपति ने रेखांकित किया कि जब परिसर में ऐसी नवोन्मेषी तकनीकों का प्रदर्शन होगा, तो विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा और क्षेत्र में नए कृषि-उद्यमों के द्वार खुलेंगे।इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्राध्यापक पाण्डेय, वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. उमा सिंह, नवप्रवर्तन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. मौशमी कर, डॉ. वंदना राम सहित कृषि विभाग के आचार्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी डॉ. मौशमी कर ने बताया कि नवप्रवर्तन केंद्र लगातार युवाओं को नई तकनीकों और कृषि-आधारित स्वरोजगार से जोडने के लिए प्रयासरत है।

चुनाव केवल सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्च भागीदारी का माध्यम है: अजय अवस्थी

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस ने किया धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन



शहडोल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में बुधवार को जयस्तंभ चौक, शहडोल में कांग्रेसजनों द्वारा धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में लिए गए विभिन्न निर्णयों एवं मतदाता सूची में किए गए बदलावों की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा की मांग को लेकर किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची की शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता अत्यंत आवश्यक है। निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान तथ्यों और पारदर्शी जांच के माध्यम से किया जाना चाहिए।
धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक अधिकारों, निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया तथा मतदाता के अधिकारों की रक्षा के पक्ष में जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेस ने मांग की कि मतदाता सूची में हुए बदलावों तथा निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी विवादित एवं संदेहास्पद विषयों की स्वतंत्र और निष्पक्ष समीक्षा कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने रखी जाए।
धरना-प्रदर्शन के उपरांत जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष श्री अजय अवस्थी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नाम का सांकेतिक पुतला जंजीरों में जकडक़र नगर भ्रमण कराया गया। इसके पश्चात कलेक्ट्रेट गेट के सामने पुतला दहन किया गया।
कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस ने निर्वाचन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा की मांग को प्रमुखता से उठाया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष श्री अजय अवस्थी ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण नींव जनता का मत और उसका निष्पक्ष उपयोग है। यदि किसी भी स्तर पर मतदाता सूची में अनियमितता, मनमाना बदलाव अथवा पारदर्शिता की कमी को लेकर सवाल उठते हैं, तो उनका समाधान गंभीरता, निष्पक्षता और सार्वजनिक जांच के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था और मतदाता के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठा रही है। मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने अथवा संशोधित करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए तथा प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के प्रयोग का समान अवसर मिलना चाहिए।
श्री अवस्थी ने कहा कि चुनाव केवल सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्च भागीदारी का माध्यम है। इसलिए निर्वाचन आयोग से अपेक्षा है कि मतदाता सूची एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रत्येक सवाल का तथ्यात्मक और संतोषजनक उत्तर जनता के समक्ष रखा जाए। कांग्रेस की मांग है कि पूरे मामले की व्यापक, स्वतंत्र और निष्पक्ष समीक्षा कराई जाए तथा यदि कहीं कोई अनियमितता सामने आती है तो उसके लिए जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। जब तक मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवालों का स्पष्ट एवं पारदर्शी समाधान नहीं होता, तब तक कांग्रेस इन मुद्दों को जनता के बीच उठाती रहेगी।

खबर संक्षेप



आंगन मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयसिंहनगर। केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देशन एवं केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर 26 सितम्बर,2026 को नगर परिषद जयसिंहनगर अन्तर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत वार्ड नंबर 07 में संचालित आंगनबाड़ी भवन में आंगन मिलन कार्यक्रम का सफल आयोजन संपन्न किया गया, जिसमें वार्ड के वरिष्ठ वार्डवासी व अन्य प्रतिष्ठित नगरवासियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाकर आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य समय निकालकर स्मरणीय योगदान दिया। उक्त अभियान अंतर्गत संचालित आंगन मिलन कार्यक्रम महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी अजय मिश्रा के विशिष्ट उपस्थिति व मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उक्त आयोजित आयोजन में शासन द्वारा चलाई जा रही हितग्राहीमूलक सभी विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभाग का समय से कार्य पूर्ण करने पर महिला बाल विकास पर्यवेक्षक श्रीमती लक्ष्मी रैकवार , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विद्या पांडे की सराहना करते हुए नगर परिषद की अध्यक्ष सुशीला शुक्ला ने श्रीफल एवं साल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता रामनारायण पाण्डेय, मण्डल मंत्री आदेश शुक्ला, शिक्षक विभा पाण्डेय, सियावती पाण्डेय, आंगनबाडी सहायिका लक्ष्मी पाण्डेय सहित वार्ड के हितग्राही एवं एवं सम्मानित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ में 23 अक्टूबर से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में यंत्र महामेरु शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर धार्मिक वातावरण बनने लगा है। सोनमुड़ा रोड स्थित यंत्र महामेरु शक्तिपीठ बटे कृष्ण आश्रम में 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर आश्रम परिसर में आवश्यक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के लिए परिसर को व्यवस्थित करने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महोत्सव का आयोजन ब्रह्मलीन 1008 अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी सुखदेवानंद महाराज की आध्यात्मिक परंपरा तथा स्वामी शरद पुरी जी महाराज, महंत एवं अध्यक्ष के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजन को लेकर साधु-संतों, श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों में उत्साह का वातावरण है।

कोतमा के होनहार क्रिकेटर अभिनव तिवारी का मध्यप्रदेश अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयन



कोतमा। कोतमा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक सात निवासी अभिनव तिवारी ने अपनी प्रतिभा के दम पर खेल जगत में जिले का नाम रोशन किया है। अभिनव का चयन मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन डच्ब की अंडर- 19 क्रिकेट टीम में हुआ है। अभिनव तिवारी, कोतमा के प्रतिष्ठित नागरिक राकेश तिवारी के सुपुत्र हैं। उनके इस गौरवपूर्ण चयन से पूरे अनूपपुर जिले सहित खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। दाएं हाथ के बेहतरीन बल्लेबाज और शानदार राइट-आर्म लेग ब्रेक गेंदबाज अभिनव तिवारी बचपन से ही क्रिकेट के प्रति बेहद समर्पित रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि के पीछे उनके कोच भरत सर के कुशल मार्गदर्शन और अभिनव की अथक मेहनत को मुख्य श्रेय दिया जा रहा है। स्थानीय खेल विशेषज्ञों का मानना है कि अभिनव में एक उत्कृष्ट ऑलराउंडर बनने की सभी क्षमताएं मौजूद हैं और मध्यप्रदेश की अंडर- 19 टीम में उनका चयन उनके उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है।

स्थानांतरण नीति और भार मुक्ति के सरकारी आदेशों को दरकिनार कर दिया अतिरिक्त प्रभार

बांधवगढ़ में नियमों को ठेंगा

दो दशक से एक ही जगह जमे डिप्टी रेंजर के आगे पार्क प्रबंधन लाचार



ट्रांसफर के बाद भी मानपुर रवानगी नहीं

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर रेंज में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। करीब दो दशकों से एक ही इलाके में पदस्थ कार्यवाहक वनपाल (डिप्टी रेंजर) अनिल कुमार सोनवानी का मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। शासन की नीति और विभागीय आदेशों के बावजूद उनका स्थानांतरण अमल में नहीं आ पा रहा है, जिसे लेकर क्षेत्रीय स्तर पर प्रशासनिक उदासीनता की चर्चाएं तेज हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री सोनवानी विगत दो दशकों से अधिक समय से पनपथा बफर क्षेत्र में ही विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे हैं। स्थानीय स्तर पर लकड़ी कटाई, वन बैरियर पर अनियमितता, रेत खनन से सांठ-गांठ और तेंदूपत्ता भुगतान में गड़बड़ी जैसे आरोपों को लेकर समय-समय पर सीएम हेल्पलाइन और वरिष्ठ अधिकारियों के पास शिकायतें दर्ज होती रही हैं। इसके बावजूद, स्थानांतरण आदेशों पर अमल न होने से विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

कागजों में आदेश, जमीन पर बेअसर

उपलब्ध विभागीय पत्राचार और आदेशों की कडिय़ों से पार्क प्रबंधन के फैसलों में विरोधाभास उजागर होता है। 01 दिसम्बर 2025 को कार्यालय





क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा जारी आदेश क्रमांक 2045 के तहत अनिल कुमार सोनवानी को परिक्षेत्र सहायक करौंदिया (रिक्त) पदस्थ किया गया था। 06 जनवरी 2026 को मात्र एक महीने के भीतर आदेश क्रमांक 2302 जारी कर पूर्व आदेश में आंशिक संशोधन किया गया और श्री सोनवानी को पुनः परिक्षेत्र सहायक पनपथा बफर की जिम्मेदारी सौंप दी गई।

15 जून 2026 की स्थानांतरण नीति

मध्यप्रदेश शासन की स्थानांतरण नीति 2026 के परिपालन में उप संचालक कार्यालय के आदेश क्रमांक 582 के माध्यम से श्री सोनवानी का स्थानांतरण पनपथा बफर से मानपुर परिक्षेत्र के कठई में किया गया। 08 जुलाई 2026 को स्थानांतरण के बाद उप संचालक द्वारा आदेश क्रमांक 3949 जारी कर स्पष्ट निर्देश दिया गया कि स्थानांतरित कर्मचारियों को तीन दिवस के भीतर भारमुक्त कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।

नीति का हो रहा उल्लंघन

सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल द्वारा जारी स्थानांतरण नीति 2026 की कंडिका 43 और 45 में स्पष्ट उल्लेख है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के दो सप्ताह के भीतर संबंधित कर्मचारी को कार्यमुक्त किया जाना अनिवार्य होगा। निर्धारित समयावधि व्यतीत होने पर स्थानांतरित कर्मचारी को एकतरफा किया माना जाएगा। नीति की कंडिका 46 और 47 के तहत भारमुक्ति के पश्चात पुराने स्थान से वेतन आहरण भी प्रतिबंधित होता है और नवीन पदस्थापना से ही वेतन आहरित करने का प्रावधान है, लेकिन पनपथा में इन





प्रावधानों के विपरीत स्थिति देखने को मिल रही है।

रवानगी के बजाय अतिरिक्त प्रभार देने पर उठे सवाल

स्थानांतरण और तीन दिन में भारमुक्त करने के लिखित निर्देशों के बावजूद श्री सोनवानी का मानपुर के लिए प्रस्थान नहीं हो सका है। आरोप हैं कि उन्हें कार्यमुक्त करने के बजाय पनपथा सर्किल के साथ-साथ करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित छतवा सर्किल का अतिरिक्त प्रभार भी दे दिया गया है। अब देखना यह है कि पार्क प्रबंधन सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों एवं अपने ही जारी भारमुक्ति आदेशों का कड़ाई से पालन कराते हुए संबंधित कर्मचारी को नवीन पदस्थापना स्थल के लिए कार्यमुक्त करता है या फिर प्रशासनिक शिथिलता का यह सिलसिला इसी प्रकार जारी रहता है।

टाइगर रिजर्व में बदला नियम



सफारी के दौरान बंद रहेंगे मोबाइल, चाबी रहेगी ड्राइवर के पास

उमरिया। बारिश के मौसम के बाद आगामी 1 अक्टूबर से मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व सैलानियों के स्वागत के लिए एक बार फिर से सज-धजकर तैयार हो चुके हैं। हालांकि, इस नए पर्यटन सत्र में जंगल सफारी का लुत्फ उठाने वाले पर्यटकों को एक बड़े बदलाव के साथ ढलना होगा। पार्क के नैसर्गिक और शांत वातावरण में अब मोबाइल फोन की घंटी नहीं बजेगी, न ही पर्यटक सफारी के दौरान फोन निकाल सकेंगे। नए दिशा-निर्देशों के तहत टाइगर रिजर्व में भ्रमण के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

लॉकर बॉक्स में कैद रहेंगे फोन

पर्यटकों को वाहन में मोबाइल ले जाने की इजाजत तो रहेगी, लेकिन प्रवेश द्वार पर ही उन्हें अपने हैंडसेट स्विच ऑफ करके जिप्सी में लगे एक विशेष बॉक्स में जमा करने होंगे। इस बॉक्स को ताला लगाकर बंद कर दिया जाएगा, जिसकी चाबी जिप्सी चालक के पास सुरक्षित रहेगी। सफारी की समय-सीमा पूरी होने के बाद ही वाहन चालक पर्यटकों के फोन वापस सौंपेगा। इस पूरी व्यवस्था का मुख्य मकसद जंगल में सफर के दौरान पर्यटकों द्वारा अचानक फोटो या वीडियो खींचने की होड़ पर रोक लगाना है।

अदालत के कड़े रुख के बाद लिया गया फैसला

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के आदेशों के आलोक में वन्यजीव क्षेत्रों में मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक का नियम पहले ही लागू किया जा चुका था। हालांकि, बीते सत्र तक इसका व्यावहारिक क्रियान्वयन ढीला-ढाला ही देखने को मिला। इसी ढिलाई को भांपते हुए इस बार पार्क प्रशासन किसी भी तरह की कोताही बरतने के मूड में नजर नहीं आ रहा है। नए नियमों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र को भी और अधिक मजबूत किया गया है।

चालक और गाइड पर भी तय होगी सख्त जवाबदेही

नए सुरक्षा खाके की सबसे बड़ी खासियत यह है कि नियम तोडऩे पर गाज सिर्फ पर्यटकों पर ही नहीं गिरेगी। यदि सफारी के दौरान किसी भी सैलानी के हाथ में चालू मोबाइल पाया जाता है, तो कानून-मुताबिक दंडात्मक कार्रवाई पर्यटक के साथ-साथ मौके पर मौजूद जिप्सी ड्राइवर और जिप्सी गाइड पर भी की जाएगी। इस कठोर व्यवस्था से चालकों और गाइडों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे अपनी गाडय़ों में नियम का पालन कड़ाई से कराएं।

वन्य जीवों की निजता और सुरक्षा प्राथमिकता

पार्क प्रबंधन का स्पष्ट मानना है कि सैलानियों द्वारा फोटो खींचने, सेल्फी लेने या सोशल मीडिया लाइव करने के दौरान गाडिय़ों की अचानक आवाजाही और कैमरों की फ्लैश-ध्वनि से वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में भारी दखल पड़ता है। कई बार बाघ या अन्य हिंसक वन्यजीव तनाव में आकर पर्यटकों पर हमलावर रुख अपना लेते हैं। इस नए फैसले से न केवल जंगल का प्राकृतिक सन्नाटा और सुकून बहाल रहेगा, बल्कि अप्रत्याशित हादसों पर भी लगाम लगाई जा सकेगी। 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस नए दौर में अब सैलानियों को मोबाइल की स्क्रीन छोड़ अपनी आंखों से जंगल की सुंदरता को निहारना होगा।

इनका कहना है...

पार्क के अंदर मोबाइल का उपयोग सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से बंद कराया गया है। इसे सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है।
डॉक्टर समिता राजौरा
पीसीसीएफ, वन्य जीव, मध्य प्रदेश

बालक-बालिकाओं ने दिखाया खेल कौशल प्रतिभाओं को मिला आगे बढ़ने का मंच

अमरकंटक में जिला क्षेत्र स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन

अमरकंटक। जनजातीय कार्य विभाग, जिला अनूपपुर के तत्वावधान में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत जिला/क्षेत्र स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन अमरकंटक में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाएं विभिन्न खेल विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ी पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। खेल मैदान में खिलाड़ियों के बीच दिखाई दे रही प्रतिस्पर्धा, उत्साह और आत्मविश्वास ने पूरे वातावरण को खेलमय बना दिया है।जिला क्रीड़ा अधिकारी उमेश कुमार मिश्रा ने प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिला क्षेत्र स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता के माध्यम से 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करने के साथ उनकी प्रतिभा की पहचान करना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि विभिन्न खेल



विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगामी स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता को व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभाग द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। खेल मैदान में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों की भी लगातार नजर बनी हुई है। खिलाड़ी पूरे उत्साह और लगन के साथ विभिन्न मुकाबलों में हिस्सा ले रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं।कार्यक्रम में संयोजक प्राचार्य अनुजा मिश्रा, सह-संयोजक संगीता दीन, जिला क्रीड़ा अधिकारी उमेश कुमार मिश्रा, नगर परिषद अमरकंटक के पार्षद रोशन पनारिया, राजेंद्र चतुर्वेदी, सोनू जैन, रिंकू सहित पीटीआई सलीम सिद्दीकी, अरुण सिंह, प्रेम कुमार पांडे, सलमा बेगम, बसंत परस्ते, शिवमणि शुक्ला, लल्लू लाल मिश्रा, किशन साकेत, विवेक यादव, दिवाकर सिंह, विजय पाल, गायत्री लोधी, लक्ष्मी पाठक, हेमंत शर्मा, देव प्रताप, विनोद केवट, विनोद कुमार, रितु, योगवती, उमेश कुमार, हेमलता, जितेन तिवारी एवं रजत कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पत्रकार धनंजय तिवारी एवं उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' भी उपस्थित रहे और उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के आयोजन से क्षेत्र के विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। आयोजन से उभरकर सामने आने वाली खेल प्रतिभाओं से भविष्य में जिला अनूपपुर का नाम संभाग एवं प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित होने की उम्मीद है।

कोतमा में बाइस सालों से कोलकाता के कलाकार गढ़ रहे मां दुर्गा की प्रतिमा

नवरात्रि में बचे सिर्फ 10 दिन, दिन-रात रूप संवारने में जुटे मूर्तिकार



कोतमा। शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरुआत में अब महज 10 दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में कोयलांचल नगरी कोतमा और आसपास के क्षेत्रों में पूजा पंडालों को भव्य रूप देने की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच चुकी हैं। इस बार भी त्योहार को लेकर श्रद्धालुओं और पूजा समितियों में भारी उत्साह है। नगर के मुख्य पंडालों में मां दुर्गा की भव्य और आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कोतमा में इस बार भी मां दुर्गा की प्रतिमाओं को जीवंत रूप देने के लिए कोलकाता (कलकत्ता) के विशेष मूर्तिकार बुलाए गए हैं। ये कलाकार पिछले 22 सालों से लगातार हर वर्ष कोतमा आ रहे हैं और अपनी अद्भुत हस्तकला से माता रानी की सुंदर प्रतिमाओं का निर्माण कर रहे हैं। इनके द्वारा तैयार की जाने वाली प्रतिमाओं की बनावट और सुंदरता पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र रहती है। जैसे-जैसे नवरात्रि के दिन नजदीक आ रहे हैं, कलाकारों की व्यस्तता और मेहनत दोगुनी हो गई है। पंडालों और निर्माण स्थलों पर कलाकार दिन-रात एक करके मूर्तियों को अंतिम रूप (मूर्त रूप) देने में जुटे हुए हैं। मिट्टी के काम को पूरा करने के बाद अब प्रतिमाओं के रंग-रोगन, साज-सज्जा और मां के श्रृंगार का बारीक काम तेजी से किया जा रहा है। कलाकारों का कहना है कि समय पर सभी समितियों को भव्य प्रतिमाएं सौंपने के लिए वे देर रात तक जागकर काम कर रहे हैं। कोलकाता से आए मूर्तिकारों ने बताया कि वे पूरी पवित्रता के साथ गंगा मैया की मिट्टी और प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर प्रतिमाओं को तैयार करते हैं। 22 वर्षों से कोतमा के लोगों से मिले अपार प्रेम और भरोसे के कारण वे हर साल यहां खिंचे चले आते हैं। नगर की विभिन्न पूजा समितियों ने बताया कि इस वर्ष भी बंगाली कारीगरों द्वारा बनाई जा रही मां दुर्गा की प्रतिमाएं भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होंगी।

अमरकंटक में जैव विविधता संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला

वन विद्यालय में संरक्षण, आकलन एवं प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने साझा की जानकारी

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में वन संपदा और जैव विविधता के संरक्षण, आकलन एवं बेहतर प्रबंधन को लेकर बुधवार को वन विद्यालय अमरकंटक के सभागार में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, वन विभाग मध्य प्रदेश एवं टीडीयू के सहयोग से आयोजित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता उपवन मंडल अधिकारी राजेंद्रग्राम जेएस मीना ने की। कार्यक्रम में डॉ. रवि कुमार एवं डॉ. सुमा तगादुर सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी वी.डी. श्रीवास्तव, आर.एस. कुशवाहा, शिक्षा



महाविद्यालय के प्राचार्य, वन सुरक्षा समितियों एवं जैव विविधता समितियों के पदाधिकारी तथा स्थानीय ग्रामीण और वन औषधियों की पारंपरिक जानकारी रखने वाले वैद्यगण उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान अमरकंटक के वन क्षेत्र में उपलब्ध जैव संपदा, औषधीय वनस्पतियों, वन औषधियों तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि अमरकंटक का वन क्षेत्र प्राकृतिक संपदा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां अनेक उपयोगी एवं औषधीय वनस्पतियां पाई जाती हैं, जिनमें से कुछ वनस्पतियां अब दुर्लभ होती जा रही हैं। इनके वैज्ञानिक आकलन के साथ संरक्षण के लिए समयबद्ध प्रयास आवश्यक हैं। कार्यशाला का उद्देश्य जैव विविधता के संरक्षण, आकलन एवं प्रबंधन से संबंधित जानकारी का विस्तार करने के साथ स्थानीय स्तर पर कार्यरत समितियों और संबंधित लोगों की क्षमता का विकास करना रहा। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा अमरकंटक की समृद्ध प्राकृतिक विरासत और औषधीय वन संपदा के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अमरकंटक के डिप्टी रेंजर धनीराम रौतेल, नरेंद्र सिंह धुर्वे, रमाकांत पटेल, अजीत सिंह, प्रदीप सोनी, सुश्री ओमवती सहित अमरकंटक वन परिक्षेत्र के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। वहीं जैव विविधता समिति के अध्यक्ष धनंजय तिवारी, वैद्य गंगाधर, के.डी. बघेल, प्रदीप शुक्ला, सुरेंद्र बर्मन सहित स्थानीय वैद्यगण, समिति पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन भी कार्यशाला में शामिल हुए। सभी ने अमरकंटक की प्राकृतिक, औषधीय एवं जैव विविधता संपदा के संरक्षण और संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के तहत विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

राजनगर। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय राजनगर के विद्यार्थियों के लिए 29 सितंबर को अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया, ताप विद्युत गृह के संचालन, तकनीकी कार्यप्रणाली तथा औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं करियर के अवसरों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने विद्युत उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं तथा संयंत्र में संचालित तकनीकी एवं अन्य कार्यों की जानकारी प्राप्त कर औद्योगिक कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझा। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व प्रभारी संजय दास पनिका ने किया। उनके साथ महाविद्यालय की सुश्री मीरा पाव, डॉ. अनुसुईया रजक एवं विपुल कुमार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को औद्योगिक क्षेत्र में आवश्यक तकनीकी ज्ञान, कौशल, अनुशासन एवं रोजगार की संभावनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अपने शैक्षणिक एवं करियर विकास की दृष्टि से उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।



32 वर्ष कोल इंडिया में सेवा के बाद लल्ला चौहान हुए सेवानिवृत्त सह कर्मियों ने दी भावभीनी विदाई, सेवाकाल के योगदान को किया याद

राजनगर। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी में लगभग 32 वर्षों तक माइनिंग सरदार के पद पर अपनी सेवाएं देने के बाद लल्ला चौहान 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्त होने पर सहकर्मियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह के दौरान यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर) एवं जागृति क्लब मित्र मंडली ने लल्ला चौहान के दीर्घ सेवाकाल को याद करते हुए उनके कार्य, व्यवहार एवं सहयोग की सराहना की। वर्तमान में लल्ला चौहान भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला अनूपपुर के जिला उपाध्यक्ष के पद पर हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करते हुए सहकर्मियों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखा। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों, राजनगर एवं प्रेमनगर कालोनी के जागृति क्लब मित्र मंडली ने लल्ला चौहान के हैप्पी रिटायरमेंट पर उनका हार्दिक स्वागत किया। सेवानिवृत्ति के बाद नई जीवन लल्ला चौहान को शुभकामनाएं देते हुए कहा



गया कि संस्थान के प्रति उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह और उनके पत्नी अनीता सिंह के द्वारा लल्ला चौहान और उनके धर्म पत्नी श्रीमती मंजू चौहान और बेटा जय चौहान को केक कटवाकर हैप्पी रिटायरमेंट मनाया गया। इस अवसर पर जागृति क्लब व अन्य मित्रों को वनभोज आमंत्रित कर लल्ला चौहान ने अपने रिटायरमेंट को यादगार बनाया। सभी लोगों ने लल्ला चौहान को एसईसीएल के 32 वर्षों के सफलतापूर्ण सफर के लिए उनको बधाई और शुभकामनाएं दी। और सभी ने नए जीवन की शुरुआत की उनको बहुत-बहुत बधाई दी। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह पत्नी अनीता सिंह, लल्ला चौहान पत्नी मंजू चौहान, पुत्र जय चौहान एवं पार्षद समय पटेल, एवं साथीगण सुरेश विश्वकर्मा, राजकेश्वर, मोहन, संजय, रट्टू मामा, अजीत सिंह, रविन्द्र सिंह, पंकज शर्मा, राहुल, परविन्द्र, अनुज, नीतीश, निलेश, गौरव, बॉबी, उमेश, सुरेश सुरी, चंद्रदेव, शनि, प्रमोद, शिवम, पुनीत, सुजीत, हेमराज एवं जागृति क्लब के अलावा पत्रकार साथी अमित सेन गुप्ता, श्रीमती रीना शर्मा, मनीष सिंह, आलोक सिंह, अजीत श्रीवास्तव सभी सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



पंचमुखी दरबार में चल रहा अखंड सीताराम संकीर्तन

सिलौंडी। सिलौंडी के श्री पंचमुखी दरबार के तत्वावधान में 28 जुलाई 2026 से अभी भी निरंतर अखंड श्री सीताराम संकीर्तन सीताराम का संकीर्तन चल रहा है। अखंड श्री सीताराम के दो माह पूरे हो चुके है । भक्तों की इच्छा पर अखंड श्री सीताराम संकीर्तन अभी चल रहा है। इस साल भी पूरे भक्ति भाव से सभी ग्राम वासियों के सहयोग से अखंड श्री सीताराम संकीर्तन के 60 दिन पूरे हो चुके है । बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह अपने साथियों के साथ अखंड श्री सीताराम संकीर्तन में शामिल हुए ।बड़वारा विधायक ने श्री पंचमुखी दरबार में सामुदायिक भवन, बाउंडीवाल सहित कार्यों हेतु राशि देने की घोषणा किया हैसभी भक्तों की इच्छा पर अखंड श्री सीताराम संकीर्तन अभी चलता रहेगा । इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह बागरी, नरेंद्र त्रिपाठी,अजय सोनी , सिलौंडी सरपंच पंचों संतोष कुमार ,एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष संतोष वंशकार,पूर्व मंडल उपाध्यक्ष मोती हल्दकार,मंडल महामंत्री सोनू गौतम, श्रीमति मनोरमा राय ,रवि राय ,अन्नू पाल ,किशोरी गाडरी , महेंद्र गाडरी ,आनंद साहू,अवधेश हल्दकार ,मोहन गाडरी ,मुस्की ,वीरेंद्र ,बिहारी गाडरी सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

सेवा सेतु अभियान का शुभारंभ 3 को होगा

बड़वारा। सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार का खंड स्तरीय शिविर ग्राम पंचायत भवन बड़वारा में दिनांक 3 अक्टूबर दिन शनिवार समय 11:00 से प्रारंभ किया जा रहा है शासन द्वारा संचालित समस्त हितग्राही मूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाना है तथा जन समुदाय से आवेदन प्राप्त कर तुरंत निराकरण किया जाना है समस्त विभागों द्वारा अपने स्टॉल लगाए जाएंगे विभागों द्वारा जन जागरूकता प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी ।जनपद क्षेत्रान्तर्गत आने वाली समस्त पंचायत अधिकाधि संख्या में पहुंच कर शिविर का लाभ उठायें। इस संबंध में जनपद पँचायत बड़वारा के सभागार में आज समस्त विभागों की बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभा टेकाम द्वारा ली गई और आवश्यक निर्देशों की जानकारी दी गई।

5 उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन विच्छेदित

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा जलकर के बकायेदार उपभोक्ताओं को जलकर राहत योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत बकाया जलकर की कुल राशि का 50 प्रतिशत एकमुश्त जमा करने पर शेष 50 प्रतिशत राशि की छूट प्रदान की जा रही है। योजना को नागरिकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। योजना से नगर के अधिक से अधिक बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना से लाभान्वित करने के लिए निगम का वसूली अमला मंगलवार को सक्रियता के साथ बकायेदारों से घर-घर संपर्क कर रहा है। इसके अतिरिक्त सुभाष चौक में आयोजित शिविर सहित निगम एवं जोन कार्यालय के माध्यम से उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देकर बकाया राशि जमा करने के लिए प्रेरित कर योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। लंबे समय से बकाया जलकर जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को राशि जमा करने के लिए सूचित किया जा रहा है। मंगलवारदोपहर 2:30 बजे तक बकाया राशि जमा नहीं करने वाले 5 बड़े उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई भी की जा चुकी है।

जिले में अब तक 942.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 29 सितम्बर तक कुल 942.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1452.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1181.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है।

रैली, नुक्कड़ नाटक एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से होगा योजनाओं का प्रचार-प्रसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में शासन की विभागीय योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समस्त जनपद पंचायतों के सीईओ एवं एनआरएलएम के जिला परियोजना प्रबंधक एवं जन अभियान परिषद को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्री अनुराग मोदी ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रैली, चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से शासन की योजनाओं, उपलब्ध सेवाओं तथा जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक सरल, सहज एवं रोचक माध्यमों से पहुंचाई जाएगी। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्व-सहायता समूहों तथा आम नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने निर्देशित किया है कि सभी संबंधित अधिकारी अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की सुनियोजित कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें। प्रत्येक गतिविधि के आयोजन के पश्चात उसका विस्तृत प्रतिवेदन, फोटो एवं वीडियो उपलब्ध कराया जाए, ताकि अभियान की गतिविधियों का प्रभावी दस्तावेजीकरण एवं अनुश्रवण किया जा सके। शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की भी सहभागिता अभियान को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से प्राचार्य तिलक कॉलेज, जिला शिक्षा अधिकारी तथा समस्त जनपद पंचायतों के सामाजिक सुरक्षा अधिकारियों को कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों एवं युवाओं को विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर सेवा, जनजागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों में नवाचार, जनभागीदारी और स्थानीय स्तर पर प्रभावी संचार माध्यमों का उपयोग किया जाए। विभागीय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे तथा आमजन में शासन की सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़े।

अमरकंटक में शारदीय नवरात्र महोत्सव की भव्य तैयारी, निकलेगी विशाल शोभायात्रा नौ दिनों तक मां भगवती की विशेष आराधना, वाराणसी-काशी के प्रकांड विद्वान होंगे शामिल

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। नवरात्र के पावन अवसर पर मां दुर्गा की आराधना के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों में विशेष उत्साह का वातावरण है। श्री कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र महोत्सव को भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। नवरात्र के नौ दिनों तक मां भगवती की विशेष आराधना, पूजन, श्रृंगार और आरती का आयोजन होगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु इस धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बनकर मां जगदंबा का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि वाराणसी-काशी के प्रकांड विद्वान भी प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष अमरकंटक में नवरात्रि के दौरान उपस्थित रहेंगे और धार्मिक अनुष्ठानों एवं पूजन-अर्चन में अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। विद्वान आचार्यों की उपस्थिति से नवरात्र महोत्सव की धार्मिक गरिमा और आध्यात्मिक वातावरण को विशेष ऊंचाई प्राप्त होगी। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस मां दुर्गा की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में देश-प्रदेश तथा अन्य राज्यों से आने वाले प्रसिद्ध वाद्य यंत्र कलाकार अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मनमोहक ध्वनि, भक्ति संगीत और मां भगवती के जयघोष से अमरकंटक का वातावरण



भक्तिमय हो उठेगा। शोभायात्रा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। विभिन्न स्थानों से आने वाले कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से धार्मिक उत्सव में सांस्कृतिक रंग भरेंगे और शोभायात्रा को और अधिक भव्य एवं मनोहारी बनाएंगे। नवरात्र के प्रत्येक दिन मां दुर्गा का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ मां भगवती की विशेष आरती आयोजित होगी। नौ दिनों तक चलने वाली आराधना में श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। दीपों की जगमगाहट, घंटियों की गूंज, वैदिक मंत्रोच्चार और मां के जयकारों से अमरकंटक की धार्मिक फिजा आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहेगी। नवरात्र महोत्सव के दौरान मां भगवती के विभिन्न स्वरूपों की आराधना श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक शांति और आध्यात्मिक चेतना का माध्यम बनेगी। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ समाज में भक्ति, सद्भाव और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना भी है। नवरात्र महोत्सव के समापन अवसर पर दशहरा के दिवस विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजकों की ओर से भक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से नवरात्र महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर मां भगवती की आराधना में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है। श्री कल्याण सेवा आश्रम की ओर से आयोजित यह धार्मिक आयोजन अमरकंटक की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। मां जगदंबा की आराधना, संत-महात्माओं एवं विद्वान आचार्यों की उपस्थिति, भव्य शोभायात्रा, वाद्य कलाकारों की प्रस्तुतियां और दशहरा के विशाल भंडारे से पूरा अमरकंटक भक्तिरस में सराबोर दिखाई देगा। मां भगवती से यही मंगलकामना है कि उनकी कृपा समस्त श्रद्धालुओं एवं देशवासियों पर बनी रहे तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सद्भाव का प्रकाश फैले।

शिक्षक दंपत्ति ने बेटे के साथ मिलकर व्यापारी से ऐंठे 12 लाख

सरकारी जमीन का फर्जी सौदा



उमरिया।

जिले में जालसाजी और फर्जीवाड़े का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने समाज के सबसे सम्मानीय पेशे शिक्षक को कटघरे में खड़ा कर दिया है। फर्जी दस्तावेज तैयार कर नजूल (शासकीय) भूमि पर बने मकान का अवैध सौदा कर एक व्यापारी से 12 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। ठगी की यह पूरी साजिश किसी शातिर अपराधी ने नहीं, बल्कि दो शासकीय शिक्षकों ने अपने बेटे के साथ सांठगांठ कर रची। मामला उजागर होने और 12 लाख गंवाने के बाद जब पीड़ित व्यापारी ने अपने खून-पसीने की कमाई मांगी, तो आरोपियों ने साफ़ मना कर दिया। घटना के महीने भर बाद भी जब उमरिया कोतवाली पुलिस ने कोई कदम नहीं उठाया, तो पीड़ित ने सीधे पुलिस अधीक्षक के दरबार में दस्तक देकर गुहार लगाई है।

ऐसे बुना गया ठगी का ताना-बाना

खलेसर रोड वार्ड क्रमांक 10 निवासी व्यवसायी आशुतोष गुप्ता के मुताबिक, 2 जुलाई की शाम दुबे कॉलोनी निवासी रामभूषण तिवारी उनके पास पहुंचे। रामभूषण ने दावा किया कि वार्ड 15 (मीट मार्केट कैंप) स्थित उनका दो मंजिला मकान बिक्री के लिए उपलब्ध है। बातों के जाल में उलझकर आशुतोष ने मकान देखा और सौदा 12 लाख रुपये में पक्का हो गया। अगले ही दिन 3 जुलाई 2026 को रामभूषण अपनी शिक्षिका पत्नी निशा तिवारी और पुत्र साहित्य तिवारी के साथ पीड़ित के दफ्तर पहुंचे और मकान को पूरी तरह विवादरहित व निजी स्वामित्व का बताया।

जांच से बचने के लिए बेटे के खाते का इस्तेमाल

लेन-देन के वक्त आरोपियों ने बेहद शातिराना चाल चली। रामभूषण और निशा ने आशुतोष से कहा कि हम दोनों शासकीय सेवक हैं, लिहाजा अपने खातों में 12 लाख रुपये की बड़ी रकम एक साथ नहीं ले सकते। उन्होंने भुगतान अपने बेटे साहित्य तिवारी के नाम करने का दबाव बनाया। शासकीय शिक्षकों के ओहदे पर भरोसा कर आशुतोष ने आईसीआईसी बैंक उमरिया का 12 लाख रुपये का चेक साहित्य के नाम काट दिया। इसके बाद नोटरी के समक्ष विक्रय पत्र तैयार हुआ, जिसमें निशा तिवारी ने बाकायदा लिखित शर्त दी कि भविष्य में किसी भी कब्जे से जुड़ी समस्या पर वे पूरी राशि हर्जाने-खर्चे समेत वापस करेंगी।

कब्जा मिलते ही चैनल गेट पर ठोक दी वेल्डिंग

कागजी प्रक्रिया के बाद 6 जुलाई 2026 को चाभियां पीड़ित को सौंप दी गईं और 7 जुलाई को साहित्य ने चेक से पूरी रकम आहरित कर ली। आशुतोष 14 जुलाई तक बिना किसी अड़चन मकान में आते-जाते रहे। असली झटका 15 जुलाई की सुबह लगा, जब वे मकान पहुंचे तो चैनल गेट पर अंदर से ताला लटक रहा था और बाहर लोहे की पट्टी वेल्डिंग कर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया गया था। अंदर झांका तो पड़ोस का सौरभ तिवारी दीवार तोडक़र भीतर घुसा बैठा था, जिसने आशुतोष को साफ धमकाया कि यह मकान मेरे दादाजी का है, तुम्हारा यहां कोई हक नहीं। घबराए पीड़ित ने जब तुरंत शिक्षक दंपत्ति से संपर्क साधा तो उनके सुर बदल चुके थे। उन्होंने दोटूक जवाब दिया कि हमने मकान बेच दिया, अब तुम जानो तुम्हारा काम। हम एक भी रुपया वापस नहीं करेंगे।

कलेक्टर खारिज कर चुके थे मालिकाना हक का आवेदन

ठगी का शिकार होने के बाद जब आशुतोष ने प्रशासनिक रिकॉर्ड खंगाले तो उनके होश उड़ गए। जिस मकान को निजी बताकर बेचा गया था, वह असल में नजूल (शासकीय) भूमि पर बना बेदखली की कगार पर खड़ा ढांचा था। निशा तिवारी द्वारा दायर धारणाधिकार (मालिकाना हक) का प्रकरण कलेक्टर द्वारा 7 अप्रैल 2026 को ही निरस्त किया जा चुका था। नजूल तहसीलदार न्यायालय द्वारा इस दंपत्ति को बेदखल करने के आदेश जारी हो चुके थे। शिक्षक दंपत्ति यह बात अच्छी तरह जानते थे कि प्रशासन किसी भी दिन इस अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहा सकता है। इसी डर से उन्होंने जल्दबाजी में फर्जी नोटरी तैयार कराकर बेकसूर व्यापारी को चूना लगा दिया।

कोतवाली पुलिस की रहस्यमयी खामोशी पर उठे सवाल

पीड़ित आशुतोष गुप्ता ने 22 अगस्त को ही धोखाधड़ी और कूटचित दस्तावेजों की शिकायत थाना कोतवाली में दर्ज कराई थी। हालांकि 1 महीने से अधिक का वक्त गुजर जाने के बावजूद पुलिस ने रसूखदार शिक्षक दंपत्ति और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना तो दूर, जांच तक शुरू नहीं की। पुलिस की इस ढिलाई से मायूस होकर पीड़ित ने 24 सितंबर 2026 को एफआईआर को आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने, ठगी की रकम वापस दिलाने और पद का दुरुपयोग करने वाले शिक्षकों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर सुरक्षा एवं सम्मान सबकी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर को जिले में विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें गरिमापूर्ण, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए समाज में जागरूकता का विस्तार करना है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के उपसंचालक अनुराग मोदी ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस की निर्धारित थीम " 'गरिमा के साथ वृद्धावस्था—वरिष्ठ नागरिकों के लिए देखभाल और समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने का महत्व" के अनुरूप जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, सम्मान, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आवश्यक सहयोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे।

स्थानीय संसाधनों के अनुरूप होंगी गतिविधियां

उप संचालक श्री मोदी ने बताया कि जिले में स्थानीय परिस्थितियों एवं उपलब्ध संसाधनों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। आयोजन के दौरान वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ उनके अनुभव, ज्ञान और सामाजिक योगदान को सम्मान देने वाली गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। श्री मोदी बताते हैं कि वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं अभिनंदन करते हुए उनसे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली जाएगी। उनके मनोरंजन एवं सक्रिय सहभागिता हेतु कैरम ,लूडो, शतरंज,गीत-संगीत आदि इनडोर गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से उनकी रुचि एवं आवश्यकता के अनुसार मोबाइल फोन इंटरनेट डिजिटल सेवाओं एवं कंप्यूटर के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने हेतु आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

समाज की अमूल्य धरोहर

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में यह संदेश प्रसारित किया जाएगा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवनानुभव, ज्ञान एवं संस्कार नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, सम्मान, सुरक्षा एवं आवश्यकताओं का ध्यान रखना परिवार के साथ-साथ समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

खबर संक्षेप



गांधी-शास्त्री जयंती पर राजीव भवन में श्रद्धांजलि सभा

अनूपपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर 2 अक्टूबर को कांग्रेस सेवादल एवं कांग्रेस द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस सेवादल अनूपपुर के जिलाध्यक्ष डॉ. एहसान अली अंसारी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 11 बजे कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन, अनूपपुर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी। इसमें कांग्रेस सेवादल सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि जयंती के अवसर पर अनूपपुर नगर पालिका के पुराने भवन में उपेक्षित पड़ी महात्मा गांधी की प्रतिमा की साफ-सफाई की जाएगी। इसके बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। डॉ. अंसारी ने जिले के कांग्रेस सेवादल, कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों, विभिन्न प्रकोष्ठों एवं महिला प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

बरबसपुर में 1 से 7 अक्टूबर तक गूंजेगा श्रीमद्भागवत कथा का अमृत



अनूपपुर। ग्राम बरबसपुर में पितृ स्मृति एवं धार्मिक आस्था के उद्देश्य से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा का आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक प्रतिदिन किया जाएगा। आयोजन ग्राम बरबसपुर स्थित आयोजक शिवदयाल सिंह के निज निवास में होगा। कथा में श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म और जीवन मूल्यों से जुड़े प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा। यह आयोजन स्वर्गीय नारायण सिंह की वार्षिक श्राद्ध तिथि के अवसर पर किया जा रहा है। आयोजन में कथा वाचन के लिए संत-महात्माओं एवं कथा वाचक की उपस्थिति रहेगी। आयोजक परिवार ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर धार्मिक लाभ लेने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के अनुसार 1 अक्टूबर को कथा में व्यास पीठ, महात्म्य कथा एवं अन्य धार्मिक प्रसंगों का वाचन होगा। 2 अक्टूबर को सृष्टि वर्णन, कपिल चरित्र एवं ध्रुव चरित्र, 3 अक्टूबर को जड़भरत, अजामिल प्रसंग एवं प्रहलाद चरित्र तथा 4 अक्टूबर को वामन अवतार, श्रीराम जन्म और श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनाई जाएगी। इसी क्रम में 5 अक्टूबर को श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं गोवर्धन पूजा, 6 अक्टूबर को महारास लीला, श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह तथा 7 अक्टूबर को सुदामा चरित्र सहित कथा के अन्य प्रसंगों का वाचन किया जाएगा। आयोजन में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक पूजन तथा दोपहर 3 बजे से प्रभु इच्छा तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा स्थल ग्राम बरबसपुर में आयोजक शिवदयाल सिंह के निज निवास को बनाया गया है। कथा आयोजन के समापन के बाद 8 अक्टूबर को वार्षिक श्राद्ध कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर पूजन, पितृ स्मरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजक परिवार ने श्रद्धालुओं से कथा एवं वार्षिक श्राद्ध कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील की है।

व्यक्ति को मुखौटा पहनाकर बेडियों में जकड़ा, सामतपुर तालाब से निकला पैदल मार्च

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कांग्रेस का हल्ला बोल, घेरा कलेक्ट्रेट







पानी की बौछार के बीच बैरिकेड तोड़कर कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेसी
राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर इस्तीफे और चुनावी प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग

अनूपपुर। मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस का गुस्सा बुधवार को अनूपपुर की सड़कों पर फूट पड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट का घेराव किया। सामतपुर तालाब से निकले पैदल मार्च में कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनाए एक व्यक्ति को प्रतीकात्मक रूप से बेड़ियों में जकड़कर आगे किया। कार्यकर्ताओं के हाथों में नारे और जुबान पर 'वोट चोरी के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई' जैसे नारे थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार वर्तमान में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। निर्वाचन आयोग की आधिकारिक जानकारी के अनुसार उन्होंने 19 फरवरी 2025 को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदभार संभाला था।

बेडियों में जकड़े 'मुख्य निर्वाचन आयुक्त', सड़कों पर गूंजे नारे

कांग्रेस ने प्रदर्शन को प्रतीकात्मक रूप से आक्रामक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक व्यक्ति को ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनाकर उसके हाथ-पैरों में बेड़ियां लगाई गईं। इसके बाद उसे पैदल मार्च में शामिल कर सामतपुर तालाब से कलेक्ट्रेट तक ले जाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता नारे लगाते हुए आगे बढ़े। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि चुनावी व्यवस्था और मतदाता सूचियों को लेकर विपक्ष द्वारा लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, लेकिन इन सवालों का संतोषजनक और पारदर्शी समाधान नहीं किया जा रहा है।

बैरिकेड पर टकराव, पानी की बौछार से रोकने का प्रयास

पैदल मार्च जिला निर्वाचन कार्यालय के पास पहुंचा तो प्रशासन ने पहले से लगाए गए बैरिकेड के जरिए प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार कर कलेक्ट्रेट परिसर की ओर बढ़ने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनातनी की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार की। इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ते रहे और बैरिकेड पार कर कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंच गए। इसके बाद कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए और निर्वाचन व्यवस्था को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग

प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। साथ ही मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग रखी गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता का मत सर्वोच्च है। यदि मतदाता सूची और मतदान प्रक्रिया को लेकर किसी भी स्तर पर सवाल उठते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। पार्टी ने चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

मतदाता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है। मतदाता सूची में किसी पात्र व्यक्ति का नाम छूटना या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल होना गंभीर विषय है। पार्टी ने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी राजनीतिक दल की आपत्ति को नजरअंदाज करने के बजाय स्वतंत्र जांच के माध्यम से स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। निर्वाचन आयोग अपनी ओर से चुनावी प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण को पारदर्शी बताता रहा है। आयोग की आधिकारिक जानकारी के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य पात्र मतदाताओं को सूची से बाहर होने से बचाना और अपात्र व्यक्तियों को सूची में शामिल होने से रोकना है। कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगाए गए आरोपों की नैतिक जिम्मेदारी तय करने के साथ प्रधानमंत्री के त्यागपत्र की मांग भी रखी गई। यह कांग्रेस की राजनीतिक मांग है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही से जुड़े सवालों पर पार्टी अपना संघर्ष जारी रखेगी।

पुतला जलाकर जताया आक्रोश

ज्ञापन सौंपने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नाम से प्रतीकात्मक पुतला जलाकर विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची, चुनावी प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच से होना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और मतदाता के अधिकार से जुड़े मुद्दों पर पार्टी पीछे नहीं हटेगी। नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा और निर्वाचन व्यवस्था से जुड़े सवालों पर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई जाती रहेगी।

बदरा में फिर चोरों की दस्तक शंकर ज्वेलर्स पर दोबारा नजर!

पहली चोरी का खुलासा नहीं, संदिग्धों की आवाजाही सीसीटीवी में कैद; व्यापारियों में बढ़ी बेचैनी



बदरा/जमुना। बदरा बस स्टैंड स्थित शंकर ज्वेलर्स में कुछ दिन पहले हुई लाखों की चोरी का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। इसी बीच देर रात दुकान के आसपास कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही सीसीटीवी कैमरों में कैद होने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ही दुकान में चोरी के बाद दोबारा संदिग्ध गतिविधियां सामने आने से व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। कुछ दिन पहले अज्ञात चोरों ने शंकर ज्वेलर्स का शटर तोड़कर दुकान में प्रवेश किया था। चोर करीब 1.3 किलो चांदी के आभूषण और सोने के कुछ जेवर ले गए थे। दुकान में रखी तिजोरी को भी तोड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन चोर उसे खोलने में सफल नहीं हुए। घटना के बाद भालूमाड़ा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। हालांकि अभी तक आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अब सामने आए सीसीटीवी फुटेज में रात के अलग-अलग समय पर कुछ लोग दुकान के आसपास आते-जाते दिखाई दे रहे हैं। एक व्यक्ति हल्के रंग के कपड़ों में नजर आ रहा है, जबकि एक अन्य व्यक्ति की गतिविधियां भी कैमरे में दर्ज हुई हैं। कम रोशनी और दूरी के कारण चेहरे स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में फुटेज के आधार पर किसी व्यक्ति की पहचान की पुष्टि फिलहाल नहीं की जा सकती। पुलिस फुटेज की जांच कर संदिग्धों की पहचान और उनकी गतिविधियों की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है। फुटेज में दिख रहे लोगों का पिछली चोरी से कोई संबंध है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। व्यापारियों का कहना है कि चोरी की घटना के बाद उसी दुकान के आसपास दोबारा संदिग्ध गतिविधियां सामने आना सामान्य स्थिति नहीं है। बदरा बस स्टैंड और आसपास के बाजार क्षेत्र में रात के समय नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने तथा संवेदनशील स्थानों पर निगरानी मजबूत करने की मांग की गई है। स्थानीय लोगों ने जमुना-कोतमा क्षेत्र में सामने आने वाली रेत चोरी, पशु तस्करी, अवैध कबाड़ और शराब परिवहन संबंधी शिकायतों पर भी प्रभावी निगरानी की मांग की है। व्यापारियों और नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब से पिछली चोरी का जल्द खुलासा करने तथा नए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

टिकरी टोला में लोहे के दरवाजे में उतरा करंट भेजरी में पानी भरते समय कुएं में गिरी महिला

अमरकंटक में दो हादसे, युवक और महिला की मौत



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए दो अलग-अलग हादसों में एक युवक और एक महिला की मौत हो गई। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 14 स्थित टिकरी टोला में विद्युत करंट की चपेट में आने से राजेंद्र पिटानिया की जान चली गई। वहीं ग्राम भेजरी में कुएं से पानी भरने के दौरान पैर फिसलने से 45 वर्षीय मीराबाई मरावी गहरे कुएं में जा गिरीं और डूबने से उनकी मौत हो गई। दोनों मामलों में अमरकंटक पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टिकरी टोला निवासी राजेंद्र पिटानिया पिता इंद्रपाल पिटानिया बुधवार दोपहर करीब 2:34 बजे घर में विद्युत करंट की चपेट में आ गए। पुलिस के अनुसार घर के एक कमरे से दूसरे कमरे में रोशनी के लिए विद्युत तार दरवाजे के रास्ते से ले जाया गया था। दरवाजा बंद होने के दौरान तार क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे लोहे के दरवाजे में विद्युत प्रवाह होने की स्थिति बन गई। राजेंद्र जब दरवाजा खोलने पहुंचे तो वे करंट की चपेट में आ गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना उनके बड़े भाई राजेश पिटानिया (42) ने अमरकंटक थाने में दी। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 41/26 दर्ज कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत जांच शुरू की है। मामले की विवेचना सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव कर रहे हैं। नगर सैनिक गोकुल टांडिया ने भी जांच में सहयोग किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। दूसरा हादसा ग्राम भेजरी में बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार मीराबाई मरावी पति अर्जुन सिंह मरावी (45) कुएं से पानी भरने गई थीं। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वे गहरे कुएं में जा गिरीं और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला को कुएं से बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। अमरकंटक पुलिस ने मर्ग क्रमांक 42/26 दर्ज कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत जांच शुरू की है। मामले की विवेचना प्रधान आरक्षक प्रवीण कुजूर कर रहे हैं, जबकि आरक्षक शैलेंद्र सिंह सहयोग कर रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव भी परिजनों को सौंप दिया गया।

जमुना कॉलरी में देर रात भालू की दस्तक, चांदनी चौक में मचा हड़कंप



बदरा/जमुना। जमुना कॉलरी के चांदनी चौक क्षेत्र में बुधवार देर रात करीब 1:30 बजे भालू दिखाई देने की सूचना से हड़कंप मच गया। रिहायशी इलाके में वन्यजीव की मौजूदगी की खबर फैलते ही लोग घरों में दुबक गए और आसपास के परिवारों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। हालांकि भालू के क्षेत्र से आगे चले जाने के बाद तत्काल कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। बताया गया कि देर रात चांदनी चौक के आसपास भालू देखे जाने की सूचना मिली थी। आबादी के बीच वन्यजीव की मौजूदगी ने उन परिवारों की चिंता बढ़ा दी है, जिनके घर जंगल और वन क्षेत्र से लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वन्यजीव लगातार आबादी की ओर पहुंच रहे हैं तो वन विभाग को केवल सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचने तक सीमित रहने के बजाय नियमित निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। स्थानीय लोगों से रात के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने और बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजने की अपील की गई है। भालू दोबारा दिखाई देने पर उसके करीब जाने, उसे भगाने या फोटो-वीडियो बनाने के लिए पीछा करने से बचने की सलाह दी गई है। भीड़ जुटाने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रहकर तत्काल वन विभाग या पुलिस को सूचना देने को कहा गया है। चांदनी चौक क्षेत्र में भालू की मौजूदगी की सूचना के बाद स्थानीय नागरिकों ने वन विभाग से निगरानी बढ़ाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि आबादी वाले इलाकों में वन्यजीवों की आवाजाही को गंभीरता से लेते हुए उनके संभावित आवागमन मार्गों की पहचान की जाए और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाए। रिहायशी क्षेत्र में भालू की दस्तक ने एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका को सामने ला दिया है। फिलहाल लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है और रात में अनावश्यक आवागमन से बचने को कहा गया है।

मिनी ट्रक में ठूंसकर ले जा रहे थे 12 भैंस पड़वा, पुलिस ने पकड़ा जबलपुर बूचड़खाने ले जाने की सूचना पर सरई पुलिस की कार्रवाई



अनूपपुर। थाना करनपठार की चौकी सरई पुलिस ने अवैध पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक मिनी ट्रक से क्रूरतापूर्वक परिवहन किए जा रहे 12 भैंस पड़वा बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार पशुओं को अवैध रूप से जबलपुर के बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 4 लाख 80 हजार रुपए कीमत के पशुओं तथा करीब 15 लाख रुपए कीमत के मिनी ट्रक को जब्त किया है। कुल मशरूका करीब 19 लाख 80 हजार रुपए का बताया गया है। पुलिस के मुताबिक 30 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक मिनी ट्रक में भैंस पड़वा पशुओं को क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना पर चौकी सरई पुलिस टीम ने इंचार्ज उप निरीक्षक मंगला दुबे के नेतृत्व में मतलूब मुसलमान निवासी फरहदा के ईंट भट्ठे के पीछे सड़क किनारे घेराबंदी कर मिनी ट्रक को पकड़ा। पुलिस ने ट्रक चालक मोहम्मद अजीज पिता मोहम्मद इशाक निवासी आजाद नगर मौहरिया, थाना हनुमानताल, जिला जबलपुर को पकड़ा। ट्रक की जांच करने पर उसमें 12 भैंस पड़वा लदे मिले। पुलिस ने चालक से पशुओं के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह मौके पर कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 314/2026 दर्ज करते हुए पशु परीक्षण अधिनियम 1959 की धारा 6 (क), 6 (ख), 9, 10, पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा 11(घ) तथा मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार पशु तस्करी के इस मामले में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता के संबंध में भी पतासाजी की जा रही है। मामले की विवेचना जारी है। कार्रवाई में थाना करनपठार इंचार्ज चौकी प्रभारी उप निरीक्षक मंगला दुबे, उप निरीक्षक धनेश्वर पटेल, उप निरीक्षक कमल किशोर चंद्रोल, प्रधान आरक्षक रामप्रसाद मरावी, आरक्षक साहब सौर, डायल-112 के प्रधान आरक्षक विमल सिंह सहित अन्य पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

एसआईआर पर राजनीति नहीं, तथ्यों के आधार पर बात करें-हीरा सिंह श्याम



अनूपपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाए जा रहे सवालों पर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल उठाना सभी का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पूरी जांच करना भी उतना ही आवश्यक है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से हीरा सिंह श्याम ने कहा कि 26 सितंबर को चुनाव आयोग की बैठक के बाद तीनों चुनाव आयुक्तों की ओर से एसआईआर को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई है। उनके अनुसार यह निर्णय किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है। ऐसे में किसी मीडिया रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आरोपों से जनता के बीच भ्रम पैदा करने के बजाय कांग्रेस और राहुल गांधी को आयोग के स्पष्टीकरण तथा उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़े विषयों पर राजनीतिक बयानबाजी के बजाय प्रमाण और तथ्य सामने आने चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष ने एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म-6 से संबंधित घोषणा पत्र को लेकर उठाए गए सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब इस विषय पर न्यायिक प्रक्रिया और निर्णय उपलब्ध हैं, तो उसके तथ्यों को सामने रखकर ही बहस होनी चाहिए। उनका कहना था कि राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय न्यायपालिका के निर्णय और संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। हीरा सिंह श्याम ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के निर्णयों पर असहमति व्यक्त की जा सकती है, लेकिन संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाले आरोप तथ्य और प्रमाण पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी पूर्व में भी ईवीएम, न्यायपालिका तथा अन्य संवैधानिक विषयों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी केवल आरोप लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के सामने प्रमाणित और तथ्यात्मक जानकारी रखना भी उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को राजनीतिक दावों और आरोपों के आधार पर भ्रमित करने के बजाय पूरे मामले के तथ्य सामने रखे जाने चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है।